अमृत कलश टाइम्स

http://amritkalashtimes.com

वर्ष : 18
अंक : 147

प्रयागराज बुधवार 12 फरवरी 2025

पृष्ठः- 4, मूल्यः- एक रूपया

मैं मछली नहीं खाता, शाकाहारी हूं

● जब बिरला ने कही ऐसी बात, भाजपा सांसद की टिप्पणी के बाद गहमागहमी

नई दिल्ली,(एजेंसी)। सदन में मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय से संबंधित पूरक प्रश्न पूछते हुए रूड़ी ने कहा कि देश में 95 करोड़ लोग मछली खाते हैं और एक करोड़ लोग मछली का उत्पादन करते हैं। भाजपा सांसद ने आगे कहा कि अध्यक्ष जी, पता नहीं आप मछली खाते हैं या नही। इस पर बिरला ने कहा कि मैं नहीं खाता। मैं शाकाहारी हूं। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मंगलवार को सदन में प्रश्नकाल के दौरान कहा कि मैं मछली नहीं खाता, शाकाहारी हूं। दरअसल, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद राजीव प्रताप रूड़ी की एक टिप्पणी के जवाब में उन्होंने कहा कि वह मछली नहीं खाते और शाकाहारी हैं। क्या है मामला? सदन में मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय से संबंधित पूरक प्रश्न पूछते हुए रूड़ी ने कहा कि देश में 95 करोड़ लोग मछली खाते हैं और एक करोड़ लोग मछली का उत्पादन करते हैं। भाजपा सांसद ने आगे कहा कि अध्यक्ष जी, पता नहीं आप मछली खाते हैं या नही। इस पर बिरला ने कहा कि मैं नहीं खाता। मैं शाकाहारी हूं। कल्याण बनर्जी के बयान पर बिरला की नसीहत इसी विषय पर एक पूरक प्रश्न पूछते हुए तृणमूल कांग्रेस के सांसद कल्याण बनर्जी ने कहा कि जब जदयू के राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह मंत्री नहीं थे, तो वे पूछते थे कि उन्हें हिलसा (मछली की एक किस्म) कब खिलाई जाएगी। अध्यक्ष बिरला ने बनर्जी से प्रश्न पर ध्यान केंद्रित करने को कहा। राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने दिया जवाब रूड़ी के पूरक प्रश्न का उत्तर देते हुए मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार बनने के बाद पिछले एक दशक में मछली की पैदावार 100 प्रतिशत से अधिक बढ़ गई है। सदन में पूछे गए सभी प्रश्न राष्ट्रीय महत्व के ही होते हैंरू बिरला इससे पहले लोकसभा अध्यक्ष ने रूडी से कहा कि सदन में पूछे गए सभी प्रश्न राष्ट्रीय महत्व के ही होते हैं। दरअसल, रूडी ने मत्स्य पालन पर एक प्रश्न पूछने की कोशिश की थी।

प्रयागराज में जाम के बीच अधिकारियों से नाराज हुए सीएम योगी

जिम्मेदारी से कैसे बच सकते हैं?

● सीएम योगी बोलेः वीवीआईपी ट्रीटमेंट लेने वाले महाकुंभ को लेकर कर रहे दुष्प्रचार, 45 करोड़ लोग कर चुके स्नान

● मोदी सरकार ने बीते 11 वर्षो में गरीबों को सशक्त बनाने का कार्य किया- सीएम योगी

लखनऊ,(एजेंसी)। सीएम योगी आदित्यनाथ ने महाकुंभ की व्यवस्थाओं की आलोचना करने पर बिना नाम लिए विपक्षी पार्टियों पर हमला किया। पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके विचारों की प्रासंगिकता को रेखांकित किया। इस मौके पर सीएम योगी ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की अंत्योदय की सोच आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में साकार हो रही है। उन्होंने गरीबी उन्मूलन के खोखले नारों पर विपक्ष को घेरा साथ ही सीएम योगी ने महाकुंभ को लेकर दुष्प्रचार करने वालों पर भी करारा प्रहार किया। सीएम योगी ने कहा कि जीवन भर वीवीआईपी ट्रीटमेंट लेने वाले लोग आज महाकुम्भ को लेकर दुष्प्रचार में जुटे हैं। मोदी सरकार ने बीते 11 वर्षों में गरीबों को सशक्त बनाने का कार्य किया– सीएम योगी सीएम योगी ने कहा कि पिछली सरकारों ने गरीबी हटाने के बड़े–बड़े नारे दिए, लेकिन गरीबों की संख्या लगातार बढ़ती रही। वहीं, मोदी सरकार ने बीते 11 वर्षों में गरीबों को सशक्त बनाने का कार्य किया। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, शौचालय निर्माण, जल जीवन मिशन और आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं की चर्चा की। उन्होंने बताया कि अब तक 4 करोड़ गरीबों को मकान मिल चुके हैं, 12 करोड़ शौचालय बने हैं, 10 करोड़ लोगों को मुफ्त गैस कनेक्शन मिला है और 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन दिया जा रहा है। ये सभी योजनाएं अंत्योदय के मंत्र को साकार कर रही हैं। महाकुम्भ को लेकर किए जा रहे दुष्प्रचार पर सीएम योगी ने विपक्ष पर किया पलटवार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्ष द्वारा महाकुंभ को लेकर किए जा रहे दुष्प्रचार पर भी जवाब दिया। उन्होंने कहा कि प्रयागराज में 29 दिन में 45 करोड़ श्रद्धालुओं ने संगम में आस्था की डुबकी लगाई है, जो एक ऐतिहासिक घटना है। उन्होंने कहा कि भारत और चीन के बाद दुनिया के किसी देश की आबादी 45 करोड़ नहीं है।

विद्यालय में विदाई समारोह का आयोजन हुआ।

प्रयागराज। बाल भारती स्कूल में कक्षा 12 के विद्यार्थियों के लिए विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न प्रकार के मनोरंजक खेल प्रतियोगिताओं के साथ– साथ बाल भारती प्रतिभा खोज' प्रतियोगिता भी आयोजित की गयी। जिसमे. ऋषिकेश तिवारी को मिस्टर बाल भारती तथा. अनुष्का तिवारी को मिस बाल भारती चुना गया। कक्षा 11 के छात्र छात्रों ने अपने बड़े साथियो के लिए विदाई गीत गया। विद्यालय के हेड बॉय तथा हेड गर्ल ने अपने संबोधन में अपने बचपन से लेकर के युवा होते समय को बड़ी शिद्दत से याद किया और पूरे विद्यालय परिवार के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की। कार्यक्रम विद्यालय की सचिव शुबी बख्त के दिशा निर्देशन आयोजित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष जफरबख्त ने कहा कि उम्मीद ही नहीं पूर्ण विश्वास है की आने वाले समय में बाल भारती की यह पौध पूरे संसार में तमाम लोगों के लिए छाया का कार्य करेगी। विद्यालय की प्रधानाचार्य ने रंजना तिवारी कहा कि आप सभी के जीवन का एक नया अध्याय शुरू हो रहा है,इसके लिए आप सभी को शुभकामनाएं।

तेजस के इंजन मिलने पर बनी सहमति

● वायु सेना को जल्द मिलेगी 83 विमानों की खेपः एचएएल

बेंगलुरु,(एजेंसी)। भारतीय वायु सेना को मिलने वाले 83 स्वदेशी लड़ाकू विमान मिलने का रास्ता साफ हो गया है। तेजस के लिए अमेरिकी कंपनी जीई से मिलने वाले इंजन 404 की आपूर्ति पर सहमति बन गयी है और पहला इंजन इस वर्ष मार्च में तथा इस वर्ष के अंत तक कुल 12 इंजन मिल जायेंगे।

तेजस का निर्माण करने वाली हिन्दुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ने कहा है कि इंजन 404 के साथ साथ तेजस मार्क वन के लिए इंजन 414 की आपूर्ति सुचारू होने पर वह 2031–32 तक सभी 180 तेजस विमानों की आपूर्ति कर देगी। एचएएल के मुख्य प्रबंध निदेशक डी के सुनील ने मंगलवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में सवालों के जवाब में कहा कि जीई के साथ शीर्ष स्तर पर बातचीत हुई है और इंजन 404 की आपूर्ति पर सहमति बन गयी है।

महाकुम्भ मेला 2025 के दौरान मेला विशेष रेलगाड़ियों का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित श्रद्धालुओं/रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुये निम्नलिखित महाकुम्भ मेला विशेष रेलगाड़ियों के संचालन का निर्णय लिया गया है जिसका विवरण निम्नवत् हैः-

गाड़ी संख्या 04723/04724 श्री गंगानगर-बरौनी-श्री गंगानगर विशेष रेलगाड़ी विशेष किराया

गाड़ी सं. 04723 श्री गंगानगर-बरौनी			गाड़ी सं. 04724 बरौनी-श्री गंगानगर	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
--	15:35	श्री गंगानगर	14:30	--
07:50	07:55	आगरा फोर्ट	21:25	21:30
09:30	09:35	टूण्डला	20:15	20:20
12:38	12:40	इटावा	17:43	17:45
15:30	15:35	गोविन्दपुरी	15:40	15:45
16:40	16:42	फतेहपुर	12:38	12:40
19:05	19:10	प्रयागराज	11:15	11:20
21:18	21:20	मिर्ज़ापुर	09:05	09:07
09:00	--	बरौनी	--	23:00

श्री गंगानगर सेः गाड़ी संख्या 04723, दिनांक 15.02.2025 को एवं **बरौनी सेः** गाड़ी संख्या 04724, दिनांक 17.02.2025 को चलेंगी।

गाड़ी संरचनाः स्लीपर श्रेणी-10, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी-04, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी इकोनॉमी-02 एवं सामान्य श्रेणी-04

गाड़ी संख्या 03697/03698 धनबाद-टूण्डला-धनबाद कुम्भ मेला विशेष रेलगाड़ी

गाड़ी सं. 03697 धनबाद-टूण्डला			गाड़ी सं. 03698 टूण्डला-धनबाद	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
--	12:40	धनबाद	12:40	--
20:50	20:52	चुनार	03:25	03:27
21:38	21:40	मिर्ज़ापुर	02:38	02:40
23:35	23:40	प्रयागराज	01:00	01:05
01:35	01:37	फतेहपुर	21:08	21:10
04:30	04:35	गोविन्दपुरी	20:00	20:05
06:38	06:40	इटावा	17:25	17:27
09:00	--	टूण्डला	--	16:00

धनबाद सेः गाड़ी संख्या 03697, दिनांक 15.02.2025 को एवं **टूण्डला सेः** गाड़ी संख्या 03698, दिनांक 16.02.2025 को चलेंगी।

गाड़ी संरचनाः सामान्य श्रेणी-07 एवं स्लीपर श्रेणी-09

नोटः ट्रेनों की समय-सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in 292/25(ADM)

महाकुंभ साप्ताहिक विशेष रेलगाड़ी का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित श्रद्धालुओं/रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए लम्बी दूरी की महाकुंभ मेला साप्ताहिक विशेष रेलगाड़ी के संचालन का निर्णय लिया है, जिसका विवरण निम्नवत् हैः-

गाड़ी सं. 01823/01824 वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी-आनंद विहार (ट.) मेला साप्ताहिक विशेष रेलगाड़ी

01823 वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी-आनंद विहार (ट.)		स्टेशन	01824 आनंद विहार (ट.)-वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	17:50(गुरू.)	वीरा.लक्ष्मीबाई झाँसी	15:00 (शनि.)	--
18:30	18:32	निवाड़ी	13:00	13:02
1905	1907	मऊरानीपुर	12:23	12:25
20:00	20:02	हरपालपुर	11:10	11:12
20:45	20:47	महोबा जं.	09:30	09:32
22:35	22:40	बांदा जं.	08:25	08:30
23:28	23:30	अतर्रा	07:13	07:15
00:50	00:55(शुक्र)	चित्रकूट धाम कर्वी	06:20	06:25
02:18	02:20	मानिकपुर जं.	05:40	05:42(शनि)
02:58	03:00	शंकरगढ़	04:00	04:02
04:00	04:02	नैनी जं.	02:40	02:42
04:55	05:00	सूबेदारगंज	02:00	02:05(शनि)
06:10	06:12	फतेहपुर	23:50	23:52
07:10	07:15	गोविंदपुरी	22:45	22:50
09:00	09:02	इटावा	20:38	20:40
10:10	10:15	टूण्डला	19:05	19:10
11:18	11:20	अलीगढ़	17:30	17:32
13:45(शुक्र)	--	आनंद विहार (ट.)	--	15:30(शुक्र)

वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी से गाड़ी सं. 01823 प्रत्येक गुरूवार, दिनांक- 13.02.2025, 20.02.2025 एवं 27.02.2025, **आनंद विहार (ट.) से** गाड़ी सं. 01824 प्रत्येक शुक्रवार दिनांक- 14.02.2025, 21.02.2025 एवं 28.02.2025 **गाड़ी संरचनाः** सामान्य श्रेणी-04, स्लीपर श्रेणी-05, वाता. तृतीय श्रेणी-06, इकोनॉमी कोच-04, वाता. द्वितीय श्रेणी-01

नोटः रेल यात्रियों को सुझाव दिया जाता है कि उपरोक्त रेलगाड़ियों की समय-सारणी, संरचना एवं अन्य स्टेशनों पर ठहराव से संबंधित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139, एनटीईएस ऐप एवं रेल मदद वेबसाइट www.railmadad.indianrailways.gov.in के माध्यम से अद्यतन जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

महाकुम्भ 2025 रेलवे टोल फ्री नं.1800 4199 139 उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in 291/25 FA

'एआई दूसरी तकनीकों से अलग'

● मोदी ने फ्रांस में कहा-एआई में दुनिया बदलने की ताकत

● यह समाज-सुरक्षा के लिए जरूरी, राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों के साथ समिट में पहुंचे

● एआई से करोड़ों लोगों की बदल सकती है जिंदगी, एआई एक्शन समिट में बोले पीएम मोदी

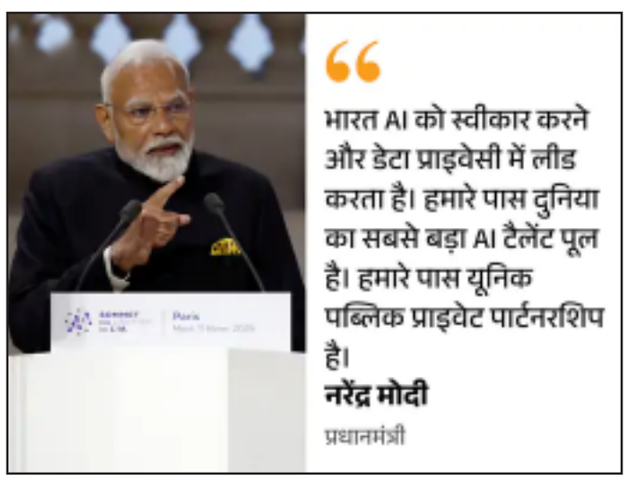

> भारत AI को स्वीकार करने और डेटा प्राइवेसी में लीड करता है। हमारे पास दुनिया का सबसे बड़ा AI टैलेंट पूल है। हमारे पास यूनिक पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप है।
>
> **नरेंद्र मोदी**
> प्रधानमंत्री

नई दिल्ली,(एजेंसी)। प्रधानमंत्री मोदी ने पेरिस के ग्रैंड पैलेस में एआई एक्शन समिट को संबोधित किया। प्रधानमंत्री ने कहा, ष्मैं इस शिखर सम्मेलन की मेजबानी करने और मुझे इसकी सह–अध्यक्षता करने के लिए आमंत्रित करने के लिए अपने मित्र राष्ट्रपति मैक्रोन का आभारी हूं। एआई पहले से ही हमारी अर्थव्यवस्था, सुरक्षा और यहां तक घ्कि हमारे समाज को नया रूप दे रहा है। एआई इस सदी में मानवता के लिए कोड लिख रहा है।ष प्रधानमंत्री ने कहा कि एआई से करोड़ों लोगों की बदल सकती है जिंदगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, ष्एआई अभूतपूर्व पैमाने और गति से विकसित हो रहा है और इसे और भी तेजी से अपनाया और लागू किया जा रहा है। सीमाओं के पार भी गहरी निर्भरता है। इसलिए, शासन और मानकों को स्थापित करने के लिए सामूहिक वैश्विक प्रयासों की आवश्यकता है जो हमारे साझा मूल्यों को अपलोड करते हैं, जोखिमों को संबोधित करते हैं और विश्वास का निर्माण करते हैं। लेकिन शासन केवल दरार और प्रतिद्वंद्विता को प्रबंधित करने के बारे में नहीं है। यह नवाचार को बढ़ावा देने और वैश्विक भलाई के लिए इसे लागू करने के बारे में भी है। इसलिए हमें नवाचार और शासन के बारे में गहराई से सोचना चाहिए और खुलकर चर्चा करनी चाहिए।ष प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, ष्मैं एक सरल प्रयोग से शुरुआत करता हूं। यदि आप अपनी मेडिकल रिपोर्ट एआई ऐप पर अपलोड करते हैं, तो यह सरल भाषा में, बिना किसी शब्दजाल के, आपके स्वास्थ्य के लिए इसका क्या मतलब है, समझा सकता है। लेकिन यदि आप उसी ऐप से किसी व्यक्ति का बाएं हाथ से लिखते हुए चित्र बनाने को कहते हैं, तो ऐप सबसे अधिक संभावना किसी व्यक्ति को उसके दाएं हाथ से लिखते हुए दिखाएगा।ष पेरिस में एआई एक्शन समिट को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, ष्शासन का मतलब सभी के लिए पहुंच सुनिश्चित करना भी है, खास तौर पर ग्लोबल साउथ में। यह वह जगह है जहां क्षमताओं की सबसे ज़्यादा कमी है, चाहे वह शक्ति हो, प्रतिभा हो या वित्तीय संसाधनों के लिए डेटा। एआई स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि और बहुत कुछ बेहतर करके लाखों लोगों के जीवन को बदलने में मदद कर सकता है।

'लॉटरी वितरक केंद्र को सेवा कर देने के लिए उत्तरदायी नहीं'

कोर्ट में केंद्र की याचिका खारिज

नई दिल्ली,(एजेंसी)। सर्वोच्च न्यायालय ने मंगलवार को केंद्र की एक याचिका खारिज करते हुए कहा कि लॉटरी वितरक केंद्र सरकार को सेवा कर देने के लिए उत्तरदायी नहीं हैं। न्यायमूर्ति बी.वी. नागरत्ना और न्यायमूर्ति एन. के. सिंह की पीठ सिक्किम उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ केंद्र की अपील से सहमत नहीं हुई।

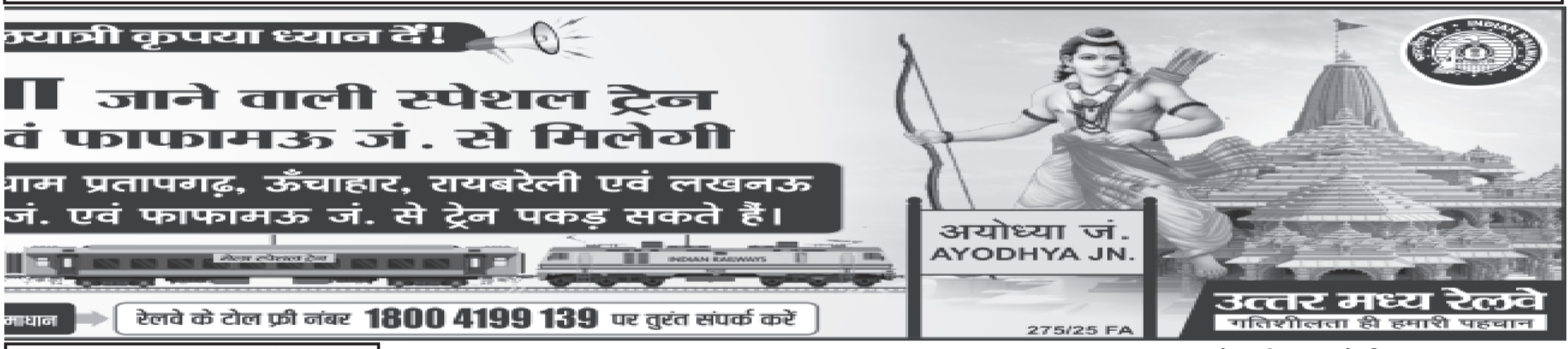

सम्पादकीय

आप की हार में कांग्रेस की जीत

दिल्ली विधानसभा चुनाव के शनिवार को निकले नतीजों में सत्तारुढ़ आम आदमी पार्टी के हिस्से में जो हार आई है उसे कांग्रेस की जीत के रूप में देखा जा रहा है, बावजूद इसके कि उसे (कांग्रेस) पिछले दो चुनावों की तरह एक भी सीट नहीं मिल सकी। कांग्रेस द्वारा तालमेल कर चुनाव लड़ने की पेशकश में बढ़ाये हाथ को जिस प्रकार से आप ने झटक दिया था, उसका परिणाम तो यह पराजय मानी ही जा रही है, इसने आप का वैचारिक खोखलापन व मूल्यविहीन राजनीति को भी उजागर कर दिया है जिसके बरक्स कांग्रेस का कद और महत्व अपने आप बढ़ जाता है। यह चर्चा आम है कि इंडिया गठबन्धन का सदस्य होने के बावजूद अकेले लड़कर सत्ता को फिर से और वह भी अकेले पाने का लालच आप को महंगा पड़ गया जिसका पिछले तीन बार जीतने का शानदार रिकॉर्ड रहा था। इस अदूरदर्शितापूर्ण और स्वार्थ भरे तरीके से चुनाव लड़कर आप ने न केवल सत्ता गंवाई वरन अपनी प्रतिष्ठा बचाने का अवसर भी खो दिया। साफ दिखता है कि अब भारतीय जनता पार्टी व उसकी नेशनल डेमोक्रेटिक एलांयस और कांग्रेस प्रणीत इंडिया गठबन्धन के बीच आप फंसकर रह जायेगी और उसके मुश्किल दिनों की शुरुआत जल्दी हो सकती है। इस बड़े सियासी घटनाक्रम को लेकर अलग–अलग कयास लगाये जा रहे हैं पर एक बात तो साफ है कि आप की हार से कांग्रेस का दबदबा तो बढ़ा ही है, इंडिया भी मजबूत हुआ है। 2011–12 के देशव्यापी इंडिया अंगेंस्ट करप्शन आंदोलन के सबसे बड़े हीरो बनकर उभरे अरविंद केजरीवाल ने अनेक आंतरिक विरोधों के बावजूद इस राजनीतिक दल का गठन किया था। यह पूरा आंदोलन कांग्रेस सरकार के खिलाफ था। डॉ. मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार के कथित भ्रष्टाचारों को आधार बनाकर यह अभियान चला था जिसके मुख्य सूत्रधार प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता अण्णा हजारे थे। हालांकि बाद में विभिन्न तरह की जांच से ये सारे मामले निराधार साबित हुए। कांग्रेस के खिलाफ बने माहौल के बीच 2013 में दिल्ली विधानसभा चुनाव में पहली बार चुनाव में उतरी आप को 28 सीटें मिली थीं। जिस कांग्रेस का विरोध कर केजरीवाल को दिल्ली सबसे ज्यादा सीटें मिली थीं पर बहुमत से वह दूर थी, कांग्रेस ने उसे समर्थन देकर सरकार बनाने में मदद की। 49 दिन सरकार चलाने के बाद केजरीवाल ने लोकपाल विधेयक को पास न करा पाने के कारण इस्तीफा दे दिया था। 2015 में उसे 70 में 67 तथा 2020 में 62 सीटें मिली थीं। इन दो बम्पर जीतों से केजरीवाल स्वयं को अपराजित तो समझने ही लगे थे, उनकी विस्तार की महत्वाकांक्षाएं व्यापक होती गयीं। देश भर में यह समझ विकसित हो जाने के बाद भी, कि भाजपा की केन्द्र सरकार को हराने के लिये विपक्षी एकता जरूरी है ताकि भाजपा विरोधी वोट न बंटें, आप ने गठबन्धन से दूरी बनाये रखी। इंडिया गठबन्धन में कई दल आये तो कुछ दलों ने आधा–अधूरा गठबन्धन किया। कई पार्टियों ने लोकसभा चुनाव मिलकर लड़ने की हामी तो भरी लेकिन विधानसभा चुनाव स्वतंत्र रूप से लड़ते रहे। शराब घोटाला कांड में जब केजरीवाल जेल भेजे गये तब कांग्रेस ने आप का साथ देकर गठबन्धन धर्म निभाया। उनके तथा झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन (झारखंड मुक्ति मोर्चा) को जेल भेजे जाने के खिलाफ बड़ी सभा की। सोनिया गांधी ने कल्पना सोरेन व सुनीता केजरीवाल को साथ बिठाया। लोकसभा व विधानसभा चुनावों में सोरेन ने तो साथ निभाया लेकिन केजरीवाल ने पहले हरियाणा और फिर दिल्ली विधानसभा चुनावों में आंखें दिखाईं। दिल्ली में पिछले दो चुनावों में मिली बड़ी जीतों को दोहराने के प्रति आप इतनी आश्वस्त थी कि वह भूल गयी कि इन पांच वर्षों में यमुना में बहुत सारा पानी बह चुका है। बेशक, लोकसभा के 2024 के चुनाव से भाजपा की सीटें 303 से घटकर 240 रह गयी हैं पर वह इंडिया के कारण था। साथ ही उसने इस तथ्य को भी नजरंदाज कर दिया कि उसी चुनाव में दिल्ली की सातों सीटें भाजपा ने जीती थीं। यानी उसका मजबूत आधार बचा है, तभी उसने कांग्रेस व आप दोनों को हराया था। कांग्रेस तो पंजाब में भी मिलकर चुनाव लड़ना चाहती थी पर आप को वह भी नामंजूर हुआ। आप की पराजय से संदेश गया कि मिलकर लड़ने पर फायदा है वरना हारने के लिये सभी को तैयार रहना होगा। यह अन्य घटकों के लिये संदेश है कि कांग्रेस का विरोध करने पर सीटें तो घटेंगी ही, जहां सरकार है वे जा भी सकती हैं। अपने–अपने दम पर चुनाव लड़ने वाली या आगामी चुनावों में ऐसी मंशा पालने वाली पार्टियों को सचेत होने का अवसर दिल्ली के चुनावी परिणामों ने दिया है।

जिस भ्रष्टाचार का नाम लेकर नेता बने, उसी भ्रष्टाचार ने केजरीवाल को डूबा दिया

विनोद पाठक

12 साल बाद दिल्ली में अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली आम आदमी पार्टी के शासन का अंत हो गया है। 27 साल बाद भाजपा ने सत्ता में वापसी की है। दिल्ली विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने भले अपना खाता न खोला हो, लेकिन आम आदमी पार्टी की हार में बहुत बड़ा योगदान कांग्रेस पार्टी का रहा है। कांग्रेस ने 6.38 प्रतिशत से अधिक वोट हासिल किए हैं।

खासकर अरविंद केजरीवाल जिस नई दिल्ली सीट से चुनाव हारे हैं, वहां कांग्रेस प्रत्याशी व पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित के सुपुत्र संदीप दीक्षित ने 4531 वोट लिए। आम आदमी पार्टी की हार के तीन प्रमुख कारणों को गिना जाए तो पहला भ्रष्टाचार, दूसरा अरविंद केजरीवाल का बड़बोलापन और तीसरा पार्टी में दूसरी पंक्ति के नेताओं का अभाव रहा। दरअसल, अन्ना आंदोलन के समय केजरीवाल ईमानदार और भ्रष्टाचार मुक्त राजनीति का संकल्प लेकर मैदान में उतरे थे। अपने पहले दिल्ली विधानसभा चुनाव में भले उन्हें बहुत अधिक सफलता नहीं मिली थी, लेकिन वर्ष 2015 में जब दोबारा दिल्ली में विधानसभा चुनाव हुए तो उन्होंने एकतरफा सारे समीकरणों को झूठलाते हुए 70 में से 67 सीट जीती थीं। केजरीवाल का करिश्मा यहीं नहीं रुका। 5 साल बाद वर्ष 2020 के चुनाव में उन्होंने 70 में से 62 सीटें हासिल कर बताया कि उनमें काफी दम बाकी है। इतना ही नहीं, आम आदमी पार्टी ने अरविंद केजरीवाल की लीडरशिप में पंजाब में भी जीत का परचम फहराया। पंजाब की जीत ने आम आदमी पार्टी को राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा भी दिला दिया। लेकिन, पंजाब की जीत के बाद यूं लगने लगा था कि सत्ता का नशा केजरीवाल के सिर पर चढ़ गया है। वो ऐसे मुख्यमंत्री बने हुए थे, जो स्वयं कोई जिम्मेदारी नहीं लेता, लेकिन सारे अधिकार उन्हें चाहिए होते थे। नियमों को तोड़ना जैसे केजरीवाल के लिए आम बात हो गई थी। इसका एक उदाहरण उनका सरकारी बंगला भी रहा, जिसे विपक्ष ने शीशमहल की संज्ञा दी। कभी बंगला और गाड़ी न लेने की घोषणा करने के बावजूद अपने लिए महलनुमा बंगला बनवा लेने ने भी जनता को केजरीवाल की साफ छवि के विषय में सोचने के लिए विवश किया।

भ्रष्टाचार का मुद्दा डुबा ले गया नैया

भ्रष्टाचार ऐसा मुद्दा रहा, जिसे लेकर केजरीवाल सबसे अधिक मुखर रहे हैं। जब वो इंडिया अगेंस्ट करप्शन को लेकर जनांदोलन चला रहे थे तो कांग्रेस के भ्रष्ट नेताओं की लिस्ट जारी करते थे, लेकिन एक समय ऐसा आया कि वो उन्हीं नेताओं के साथ मंच साझा करने लगे। बिना विचारधारा की पार्टी चला रहे केजरीवाल ने भ्रष्टाचार को लेकर कोई भी ठोस कदम नहीं उठाया। उनका बड़ा वादा लोकपाल नियुक्ति का था, जो तीन बार सत्ता में आने के बावजूद वादा ही रह गया। उल्टा शराब घोटाले में न केवल अरविंद केजरीवाल, बल्कि उनके सबसे करीबी मनीष सिसोदिया भी जेल में रहे। केजरीवाल के करीबी सत्येंद्र जैन को भी जेल जाना पड़ा। भ्रष्टाचार में जेल जाने ने अरविंद केजरीवाल की छवि को बहुत गहरा आघात पहुंचा।

वर्ष 2020 के दिल्ली विधानसभा चुनाव में केजरीवाल ने एक नीति अपनाई थी, वो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर सीधा हमला करने से बचते थे। लोकसभा चुनाव में दिल्ली में भले अरविंद केजरीवाल को अकेले और बाद में कांग्रेस के साथ जाने के बावजूद कोई सफलता नहीं मिली, लेकिन उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर सीधा हमला नहीं बोला था। यह नीति कहीं न कहीं उनके लिए कारगर साबित हो रही थी, लेकिन इस बार विधानसभा चुनाव में उनका बड़बोलापन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमले उन्हें भारी पड़े। जनता को कहीं न कहीं यही लगा कि यह नेता काम कम करता है, लेकिन बोलता अधिक है। कभी करीबी रही स्वाति मालीवाल प्रकरण ने भी केजरीवाल की छवि खराब की है। पूरे चुनाव में जिस तरह से स्वाति मालीवाल ने अरविंद केजरीवाल के खिलाफ अभियान चलाया, वो उनके लिए घातक साबित हुआ। दिल्ली में करारी हार के बाद और स्वयं की सीट हारने के बाद केजरीवाल के लिए आगे का रास्ता बेहद कठिन साबित होने वाला है। पहले ही एसीबी उनके दरवाजे पर खड़ी है। अब न केवल आम आदमी पार्टी पर टूट का खतरा रहेगा, बल्कि पंजाब में भी पार्टी को दो तिहाई बहुमत के बावजूद संघर्ष करना पड़ सकता है। कभी भ्रष्टाचार के खिलाफ झंडा बुलंद करने वाले केजरीवाल को भ्रष्टाचार ही ले डूबा है।

केजरीवाल तो निपट गए मगर कांग्रेस के लिए मुख्य चुनौती मोदी!

सिर्फ आम आदमी पार्टी के बीच से हटने से कांग्रेस खुश नहीं हो सकती! कांग्रेस को दिल्ली में अपनी जगह वापस लेने के लिए बहुत मेहनत करनी पड़ेगी और यह भी समझना पड़ेगा कि उसने 11 साल कुछ खास नहीं किया। बीजेपी के सीधे सामने तो वह कई राज्यों में है। मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, उत्तराखंड, गुजरात कई राज्यों में। और मध्य प्रदेश में तो वह मोदी के प्रधानमंत्री बनने से पहले से हार रही है।

(अ) महाकुम्भ मेला विशेष रेलगाड़ियों का संचालन

गाड़ी संख्या 08588/08587 विशाखपट्टणम-गोरखपुर-विशाखपट्टणम

गाड़ी सं. 08588 विशाखपट्टणम-गोरखपुर		स्टेशन	गाड़ी सं. 08587 गोरखपुर-विशाखपट्टणम	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
---	22:20	विशाखपट्टणम ▲	15:55	---
04:18	04:20	मानिकपुर	08:55	08:57
06:20	06:25	प्रयागराज छिवकी	05:50	05:55
07:25	07:27	मिर्जापुर	04:43	04:45
07:55	07:57	चुनार	04:10	04:12
19:30	---	▼ गोरखपुर	---	17:45

● **गाड़ी सं. 08588: विशाखपट्टणम** से दिनांक 10.02.2025 एवं 22.02.2025 ● **गाड़ी सं. 08587: गोरखपुर** से दिनांक 13.02.2025 एवं 25.02.2025 ● **गाड़ी संरचना:** वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी-03, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी-04, स्लीपर श्रेणी-08, सामान्य श्रेणी-04

(ब) महाकुम्भ 2025 के दौरान रेलगाड़ियों का निरस्तीकरण, मार्ग परिवर्तन एवं रिशेड्युलिंग

रेलगाड़ियों का निरस्तीकरण

दिनांक 12.02.2025 (बुधवार) माघी पूर्णिमा को प्रयागराज स्टेशन पर रेलगाड़ियों का शेड्यूल

गाड़ी सं.	से	तक	प्रयागराज स्टेशन पर मौजूदा आगमन समय	प्रयागराज स्टेशन पर मौजूदा प्रस्थान समय	प्रारम्भिक स्टेशन से प्रभावती तिथि
अप-02					
12397	गया	नई दिल्ली	19:30	19:40	12.02.2025
12367	भागलपुर	नई दिल्ली	22:48	22:50	12.02.2025
डाउन-02					
22466	आनंद विहार ट.	मधुपुर	19:50	19:52	12.02.2025
12398	नई दिल्ली	गया	20:25	20:30	12.02.2025
दिनांक 13.02.2025 (गुरूवार) को प्रयागराज स्टेशन पर रेलगाड़ियों का शेड्यूल					
अप-01					
22465	मधुपुर	आनंद विहार ट.	22:36	22:38	13.02.2025
डाउन-01					
12368	नई दिल्ली	भागलपुर	20:43	20:45	13.02.2025

रेलगाड़ियों का मार्ग परिवर्तन

गाड़ी सं.	से	तक	प्रयागराज स्टेशन पर मौजूदा आगमन समय	प्रयागराज स्टेशन पर मौजूदा प्रस्थान समय	मौजूदा मार्ग	मार्ग परिवर्तन वाया	प्रारम्भिक स्टेशन से प्रभावी तिथि
12488	आनंद विहार ट.	जोगबनी	16:55	17:00	कानपुर सेंट्रल -प्रयागराज-पं.दीनदयाल उपाध्याय जं.	कानपुर सेंट्रल -लखनऊ-बाराबंकी-गोरखपुर	12.02.25
15484	दिल्ली	अलीपुरद्वार जं.	17:40	17:45	कानपुर सेंट्रल -प्रयागराज-पं.दीनदयाल उपाध्याय जं.	कानपुर सेंट्रल -लखनऊ-बाराबंकी-गोरखपुर	12.02.25
15633	बीकानेर	गुवाहाटी	21:25	21:35	कानपुर सेंट्रल -प्रयागराज-पं.दीनदयाल उपाध्याय जं.	कानपुर सेंट्रल -लखनऊ-बाराबंकी-गोरखपुर	12.02.25

रेलगाड़ियों की रीशेड्युलिंग

गाड़ी सं.	से	तक	प्रारम्भिक स्टेशन से प्रभावी तिथि	प्रारम्भिक स्टेशन से मौजूदा समय	रीशेड्युलिंग का समय (घंटे' मिनट'' में)	प्रारम्भिक स्टेशन से प्रस्तावित प्रस्थान समय	प्रयागराज छिवकी/ प्रयागराज से मौजूदा प्रस्थान समय
दिनांक- 12.02.2025							
*12792	दानापुर	सिकंदराबाद	12.02.25	12:15	4'00''	16:15	20:20
*15159	छपरा	दुर्ग	12.02.25	07:10	4'00''	11:10	15:40
20408	नई दिल्ली	रांची	12.02.25	16:10	4'00''	20:10	23:00
दिनांक- 13.02.2025							
*12792	दानापुर	सिकंदराबाद	13.02.25	12:15	4'00''	16:15	20:20
*15159	छपरा	दुर्ग	12.02.25	07:10	4'00''	11:10	15:40
22308	बीकानेर	हावड़ा	12.02.25	23:55	4'00''	03:55	15:45
12816	आनंद विहार ट.	पुरी	13.02.25	07:30	4'00''	11:30	16:05
12488	आनंद विहार ट.	जोगबनी	13.02.25	08:10	4'00''	12:10	17:00
18102	जम्मू तवी	टाटा	12.02.25	14:20	4'00''	18:20	17:20
15484	दिल्ली	अलीपुरद्वार जं.	13.02.25	07:35	4'00''	11:35	17:45
12398	नई दिल्ली	गया	13.02.25	12:25	4'00''	16:25	20:30
12947	अहमदाबाद	पटना	12.02.25	21:50	4'00''	01:50	21:35
12495	बीकानेर	कोलकाता	13.02.25	06:00	4'00''	10:00	22:10

* प्रयागराज छिवकी के रास्ते मार्ग परिवर्तन के साथ रीशेड्युलिंग

नोट: रेल यात्रियों को सुझाव दिया जाता है कि उपरोक्त रेलगाड़ियों की समय-सारणी, संरचना एवं अन्य स्टेशनों पर ठहराव से संबंधित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139, एनटीईएस ऐप एवं रेल मदद वेबसाइट www.railmadad.indianrailways.gov.in के माध्यम से अद्यतन जानकारी प्राप्त की जा सकती है। 290/25 (D)

महाकुम्भ 2025 रेलवे टोल फ्री नं. 1800 4199 139 | उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR | North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in

महाकुंभ में जाम और अव्यवस्थाओं का जिम्मेदार कौन?

❍ 24 जनवरी के आसपास एकाएक श्रद्धालुओं की संख्या में बढ़ोतरी होती चली गई। यह संख्या दिन-प्रतिदिन बढ़ने लगी। सरकारी आंकड़ों पर विश्वास करें तो 80 लाख से अधिक श्रद्धालु रोजाना आने शुरू हो गए थे, जो मौनी अमावस्या से एक दिन पहले 4 करोड़ से अधिक हो गए।

विनोद पाठक

प्रयागराज इन दिनों श्रद्धालुओं से पटा पड़ा है। चारों तरफ जाम की स्थिति है। 10–10 घंटे तक लोगों को सड़कों पर फंसे रहना पड़ रहा है। प्रयागराज जाने वाले सभी रूट जाम से जूझ रहे हैं। सबसे बुरी स्थिति स्वयं प्रयागराज शहर की है। आखिर इस जाम और फैली अव्यवस्था का जिम्मेदार कौन है? यह गंभीर प्रश्न है, क्योंकि उत्तर सरकार ने दावा किया था कि उसकी तैयारी 100 करोड़ लोगों के आने को लेकर है, लेकिन जिस तरह से व्यवस्थाएं चरमरा रही हैं, सवाल उठाने लाजमी हैं। कुंभ कब शुरू हुआ? इसकी निश्चित तिथि ज्ञात नहीं है। ऐसा माना जाता है कि यह मेला आदिकाल से चला रहा है, जो नक्षत्रों के एक विशेष योग पर प्रत्येक 12 वर्ष पर भारत के चार प्रमुख धार्मिक स्थलों प्रयागराज, उज्जैन, नासिक और हरिद्वार में आयोजित होता है। प्रयागराज में कुंभ सबसे बड़े क्षेत्रफल में लगने वाला मेला है।

कुंभ के आयोजन को लेकर विशेष तैयारियां काफी पहले से शुरू हो जाती हैं। प्रयागराज महाकुंभ की तैयारियां योगी सरकार ने डेढ़ से दो साल पहले शुरू कर दी थीं। एक टीम तय कर उसे प्रयागराज में तैनात किया गया। योगी सरकार को अंदाजा था कि प्रचार–प्रसार के बढ़े संसाधनों और सोशल मीडिया के प्रभाव के चलते महाकुंभ में इस बार बहुत अधिक श्रद्धालु आने वाले हैं। यही कारण था कि भीड़ नियंत्रण के लिए व्यापक तैयारियां सरकार ने शुरू कीं। आईसीसीसी यानी इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर स्थापित किया गया।4200 हेक्टेयर क्षेत्रफल में फैले मेला क्षेत्र में 2700 से अधिक आर्टिफिशियल इंटेलिटेंस (एआई) आधारित सीसीटीवी कैमरे लगाए गए। आईसीसीसी से पुलिस की पूरे मेला क्षेत्र और शहर पर नजर रहती है। भीड़ नियंत्रण प्रबंधन से जुड़ी पुलिस–प्रशासन टीम को यह पता होता है कि शहर में कहां और कितने लोग जमा हैं?

बाल भारती स्कूल में समारोह उपरान्त छात्राएं फोटो शूट करवाती हुई।

छात्र फेयरवेल कार्यक्रम में प्रस्तुति देती हुई।

बैंड संगीत की प्रस्तुति देते छात्र।

छात्राएं फेयरवेल कार्यक्रम में नृत्य की प्रस्तुति देती हुई।

घंटों जाम में फंसे लोग खाने-पीने को भी तरसे

प्रयागराज। प्रयागराज आने-जाने वाले जाम में फंसे श्रद्धालुओं को जाम से निजात दिलाने के लिए पुलिस के साथ भाजपा कार्यकर्ताओं ने भी कमान संभाल ली है। प्रयागराज से सटे जौनपुर, प्रतापगढ़, वाराणसी, भदोही, कौशांबी, मिर्जापुर, फतेहपुर और कानपुर के स्थानीय भाजपा पदाधिकारियों ने जाम में फंसे श्रद्धालुओं को जगह-जगह कैंप लगाकर खाना, पानी, दवा मुहैया कराना शुरू कर दिया है।महाकुंभ में उमड़ी रही श्रद्धालुओं की भारी संख्या के चलते पुलिस प्रशासन के इंतजाम नाकाफी साबित हो रहे हैं।

सम्पादक
सिद्धनाथ द्विवेदी
प्रबन्धक निदेशक
दीपक जयसवाल
सम्पादकीय कार्यालय
11ई/2, ताशकंद मार्ग, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के आधीन होगा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सिद्धनाथ द्विवेदी द्वारा काम्पीटेंट बिजनेस सर्विसेज विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित एवं 399 कृष्णानगर कीडगंज से प्रकाशित।
सम्पादक-सिद्धनाथ द्विवेदी, आरएनआई नं. UPHIN/2007/22706 रजि.नं. AD-32/2008-09 ईमेलः amritkt.alld@gmail.com फोन नं. : 9453273951, 8799627062

उत्तर प्रदेश सरकार

माघमासमिमं पुण्यं स्नाम्यहं देव माधवः

महाकुम्भ प्रयागराज 2025

दिव्य-भव्य-डिजिटल
एकता का महाकुम्भ

महाकुम्भ 2025
प्रयागराज में

माघी पूर्णिमा

का पुण्य स्नान

12 फरवरी, 2025

महाकुम्भ में शपथ महान
एक रहेगा हिन्दुस्थान

महाकुम्भ 2025 प्रयागराज

13 जनवरी से 26 फरवरी

आगामी प्रमुख स्नान पर्व महाशिवरात्रि - 26 फरवरी, 2025

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश | mahakumbh_25/ upmahakumbh MahaKumbh_2025 https://kumbh.gov.in/

आपकी सेवा में तत्पर-हेल्पलाइन नंबर

1920 महाकुम्भ मेला
112 इमरजेंसी सर्विस
1010 खाद्य एवं रसद
102, 108 एम्बुलेंस सेवा
18004199139 रेलवे सेवा